Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 5 | प्रेमचंद के फटे जूते

QUIZ PART-01

1. **हरिशंकर परसाई का जन्म कब हुआ था?**
   A. 1920
   B. 1922
   C. 1925
   D. 1926 (B)

व्याख्या: हरिशंकर परसाई का जन्म 1922 में हुआ था।

2. **हरिशंकर परसाई का निधन कब हुआ था?**
   A. 1990
   B. 1992
   C. 1995
   D. 1998 (C)

व्याख्या: परसाई जी का निधन 1995 में हुआ था।

3. **प्रेमचंद की तस्वीर में उनके पैरों में किस प्रकार के जूते दिखाई देते हैं?**
   A. चमकदार चमड़े के जूते
   B. फटे हुए कैनवस के जूते
   C. चप्पल
   D. नंगे पैर (B)

व्याख्या: तस्वीर में प्रेमचंद कैनवस के फटे जूते पहने हुए दिखते हैं।

4. **लेखक की दृष्टि सबसे पहले प्रेमचंद की किस वस्तु पर अटक गई?**
   A. उनकी टोपी पर
   B. उनके कुरते पर
   C. उनके जूते पर
   D. उनके चेहरे पर (C)

व्याख्या: लेखक की दृष्टि सबसे पहले प्रेमचंद के फटे जूते पर अटक गई।

5. **प्रेमचंद के चेहरे पर किस प्रकार का भाव दिखाई देता है?**
   A. गहरी मुस्कान
   B. बेपरवाही और विश्वास
   C. उदासी
   D. क्रोध (B)

व्याख्या: प्रेमचंद के चेहरे पर बेपरवाही और विश्वास का भाव झलकता है।

6. **लेखक ने तस्वीर की अधूरी मुस्कान को किस रुप में देखा?**
   A. दया का भाव
   B. उपहास और व्यंग्य का भाव
   C. शांति का भाव
   D. गुस्से का भाव (B)

व्याख्या: लेखक ने कहा कि उस अधूरी मुस्कान में उपहास और व्यंग्य का भाव है।

7. **प्रेमचंद ने जूते माँगकर क्यों नहीं पहन लिए?**
   A. स्वाभिमान और सादगी के कारण
   B. आलस्य के कारण
   C. जिद के कारण
   D. अवसर न मिलने के कारण (A)

व्याख्या: प्रेमचंद ने स्वाभिमान और सादगी के कारण किसी से जूते नहीं माँगे।

8. **लेखक के अनुसार लोग फोटो खिंचवाते समय क्या करते हैं?**
   A. सामान्य वस्त्र पहनते हैं
   B. उधार की चीज़ें इस्तेमाल करते हैं
   C. बिना तैयारी के फोटो खिंचवाते हैं
   D. मुस्कराते नहीं (B)

व्याख्या: लेखक ने बताया कि लोग फोटो खिंचवाते समय उधार के कपड़े, मोटर आदि इस्तेमाल करते हैं।

9. **'फोटो भी खुशबू देती है' का आशय क्या है?**
   A. फोटो खिंचवाने के बाद अच्छा अनुभव होता है
   B. फोटो आकर्षक बन जाती है
   C. लोग फोटो खिंचवाने से पहले इत्र लगाते हैं, जिससे फोटो देखने में सुगंधित प्रतीत होती है
   D. फोटो सच बोलती है (C)

व्याख्या: इसका आशय है कि लोग फोटो खिंचवाने से पहले इत्र लगाते हैं ताकि फोटो आकर्षक लगे।

10. **'तुम फोटो का महत्व नहीं समझते' का सही आशय क्या है?**
   A. तुम दिखावे को महत्व नहीं देते
   B. तुम फोटो नहीं खिंचवाते
   C. तुम आलसी हो
   D. तुम समाज में नहीं रहते (A)

व्याख्या: इसका आशय है कि प्रेमचंद बनावटी व्यक्तित्व और दिखावे को महत्व नहीं देते थे।

DESH KA APNA SCHOOL